पं० दीनदयाल उपाध्याय

जीवन एवं साहित्यिक परिचय

जीवन परिचय :— पं० दीन दयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 ई० उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम भगवती प्रसाद उपाध्याय तथा माता का नाम प्यारी था। पिता का असामयिक निधन हो गया। धनकिया (जयपुर) नाना के साथ रहने लगे। साहित्य सेवा करते हुए 11 फरवरी 1968 ई० को इनका निधन हो गया।

• दीन दयाल उपाध्याय अपने जीवन के प्रारम्भिक वर्षों से ही समाजसेवा के प्रति पूर्णतया समर्पित थे। वर्ष 1937 में अपने कालेज के दिनों में कानपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर० एस० एस०) के साथ जुड़े।

डा० श्यामाप्रसाद मुखर्जी द्वारा सन् 1951 में स्थापित किये गये भारतीय जनसंघ का इन्हे प्रथम महासचिव नियुक्त किया गया। ये 1967 ई० तक महासचिव बने रहे।

दीनदयाल उपाध्याय एक चर्चित पत्रकार भी थे। उपाध्याय के अन्दर की पत्रकारिता तब प्रकट हुई जब उन्होंने लखनऊ से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' में वर्ष 1940 के दशक में कार्य किया। अपने आर०एस०एस० के कार्यकाल के दौरान इन्होने एक साप्ताहिक समाचार पत्र "पाञ्चजन्य" और एक दैनिक समाचार पत्र 'स्वदेश' का सम्पादन भी किया था। इन्होंने नाटक 'चन्द्रगुप्त मौर्य' और हिन्दी मे शंकराचार्य की जीवनी लिखी।

Scanned by TapScanner

कृतियाँ –

- सम्राट चन्द्रगुप्त
- जगत् गुरु शंकराचार्य
- अखण्ड भारत क्यों ?
- राष्ट्र जीवन की समस्याएँ
- राष्ट्र चिन्तन
- राष्ट्र जीवन की दिशा

Scanned by TapScanner